पेश हो ...

8/8/25

पत्रावली पेश हुई, वकील वादी/प्रतिवादी उपस्थित। पीठासीन अधिकारी के राजकार्य में व्यस्त होने से प्रकरण मे सुनवाई नही हो सकी। पत्रावली पूर्ववत दिनांक------ -- 11-9-25 को पेश हो

11/9/25

पत्रावली पेश हुई, वकील वादी/प्रतिवादी उपस्थित। पीठासीन अधिकारी के राजकार्य में व्यस्त होने से प्रकरण मे सुनवाई नही हो सकी। पत्रावली पूर्ववत दिनांक------ -- 27-10-25 को पेश हो

27/10/25

पत्रावली पेश है। वकील पक्षकार उप० नहीं है। वादी अधि० को आवाज लगवायी गयी परन्तु उप० नहीं है। वादी स्वयं की आवाज लगवायी गयी परन्तु उप० नहीं है। पत्रावली को इन्तजार में रखवाया गया। पत्रावली को पुनः रखवाया गया। वादी अधि० एवं वादी को आवाज लगवायी गयी परन्तु उप० नहीं हुए। बार-बार आवाज लगवाये जाने के उपरान्त भी वादी अधि० व वादी स्वयं के उप० नहीं होने से पत्रावली को अदम पैरवी अदम हाजरी में खारीज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो।